लोक सभा

अतारांकित प्रश्ने संख्याह5424

27 अप्रैल, 2015 को उत्त4र के लिए

इस्पात क्षेत्र का संवर्धन

5424. श्री बी. एस. येदियुरप्पा:
श्री नारणभाई काछड़िया:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने इस्पात क्षेत्र हेतु कोई राष्ट्रीय कार्य-योजना तैयार की है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसका मुख्य उद्देश्य क्या है;
(ग) क्या सरकार का इस्पात क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय निवेश आमंत्रित करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की कतिपय इकाइयों को सरकार की लगातार सहायता के बावजूद भारी हानि हो रही है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) आगामी वर्ष में इन इकाइयों के पुनरुज्जीवन और अन्य विद्यमान इकाइयों की विस्तार योजना के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्त र

इस्पाततऔर खान राज्यधमंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क) और (ख): जी , नहीं। तथापि , इस्पा त मंत्रालय इस्पा त क्षेत्र हेतु राष्ट्री□य इस्पा◌ेत नीति2015 का प्रारूप तैयार करने के अंतिम चरण में है।

(ग) : इस्पारत एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। सरकार ऑटोमेटिक रूट के जरिए 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देते हुए इस्पारत क्षेत्र में विदेशी प्रत्य क्ष निवेश (एफडीआई) की नीति को पहले ही उदार बना चुकी है। विदेशी कंपनियों द्वारा निवेशों पर लिया जाने वाला निर्णय परियोजना विशेष की वाणिज्यिक और वित्ती य मेरिट पर आधारित होता है।

(घ) : स्टी ल अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) एक लाभ अर्जित करने वाला संगठन है और यह सरकार से किसी प्रकार की वित्ती्य सहायता प्राप्तं नहीं कर रहा है।

(ड़) : सेल ने वर्तमान चरण मे अपनी क्रूड इस्पाहत उत्पाशदन क्षमता को 12.8 एमटीपीए से बढ़ाकर 21.4 एमटीपीए करने के लिए भिलाई , बोकारो, राउरकेला, दुर्गापुर और बर्नपुर स्थित अपने पांचों एकीकृत इस्पा◌ीत संयंत्रों तथा सेलम स्थित विशेष इस्पा त संयंत्र का आधुनिकीकरण एवं विस्तातर कार्य आरंभ किया है।

*****